जगन्मोहनलाल शास्त्री साधुवाद ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०१२०२६)

मुख्य टाइटल

समितीय

संपादकीय

विषय सूची

आशीर्वचन एवं शुभकामनायें

खंड-१ (अ) – पंडित परम्परा और पंडित जी

प्राचीन भारत की वैदिक पंडित परंपरा – डॉ. नत्थूलाल गुप्त ---------------------------------- २५

बौद्ध संस्कृति में पंडित परंपरा – डॉ. चंद्रशेखर प्रसाद --३१

जैन पंडित परंपरा-एक परिदृश्य – नंदलाल जैन --- ३४

विंध्य क्षेत्र के जैन विद्वान्-१ – कमल कुमार जैन -- ४३

खंड-१ (ब) – व्यक्तित्व और संस्मरण

जन्मकुंडली, वंशवृक्ष एवं विद्यावृक्ष --- ५६

मेरा जीवन वृत्त – पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री -- ५७

स्व. पं. बाबूलालजी – मेरे विद्या गुरुवासरः – पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री ---------------------- ६४

जैन शिक्षा संस्था के संस्थापक और संचालक – नीरज जैन ---------------------------------- ६६

श्री अतिशय क्षेत्र कुंडलपुर में स्थित श्री उदासीन आश्रम के संस्थापक – पं. बाबूलाल शास्त्री --- ६८

सूझबूझ एवं वाक्चातुर्थ के धनी पंडित जी के कुछ शिक्षाप्रद संस्मरण – डॉ. कंछेदी लाल जैन -- ७४

मोरेना के मेरे आदर पात्र और मार्गदर्शक – डॉ. जगदीशचन्द्र जैन ----------------------------- ८०

खंड-१ (स) – पंडितजी – कृतित्व एवं समीक्षण

अध्यात्म अमृतकलश – एक समीक्षा – डॉ. हरीन्द्र भूषण जैन -------------------------------- ८३

श्रावकधर्म प्रदीप टीका-एक समीक्षा – राजेन्द्र आर.वी. -- ८७

पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री-लेख सूची - संकलित-- ९६

पंडित जी की कृतित्व सूची, यात्रायें, अभिनंदन - संकलित ------------------------------------ १००

पंडितजी से संबंधित संस्थायें-संपादन - संकलित --- १०२

पंडित जी के विविध रूप - संकलित -- १०३

पंडित जी के वर्तमान उद्गार - पत्राचार -- १११

इतिहास के पृष्ठों से-बाबा गोकुल चंद्र जी – गणेश प्रसाद वर्णी -----------------------------------११२

समाज की परमोपकारी सचेतन निधि – पं. माणिकचन्द्र चवरे ---------------------------------११३

विनोदी सहयोगी का साधुवाद – पं. फूलचन्द्र शास्त्री--- ११५

विराट् महामानव – सिंघई धन्यकुमार जैन -- ११६

खण्ड-२ – धर्म और दर्शन-नवयुग

सा विद्या या विमुक्तये – युवाचार्य महाप्रज्ञ ---३
जैन धर्म-प्राचीनता का गौरव और नवीनता की आशा – स्वामी सत्यभक्त ----------------------- ६
श्रमण संस्कृति का विराट् दृष्टिकोण – सौभाग्यमल जैन -------------------------------------- ११
जैनधर्म में अहिंसा – डॉ. श्री रंजनसूरि देव -- १७
रिलेटिविज्म एंड इट्स प्रेक्टिस – डॉ. डी.सी. जैन --२१
योगि प्रत्यक्ष और ज्योतिर्ज्ञान – डॉ. वि. जोहरापूरकर -------------------------------------- २७
जैनधर्म-भारतीयों की दृष्टि में (अनु.) – डॉ. करुणा जैन -------------------------------------- २९
वर्तमान न्याय-व्यवस्था का आधार धार्मिक आचार संहिता – सोहनराज कोठारि --------------- ३८
एन एनेलिसिस एंड एवेल्युशन आफ ईस्टर्न एंड बेस्टर्न फिलोसोफिकल एप्रोचेज – प्रो. डोनाल्ड एच. विशप --- ४५
मानवीय मूल्यों के ह्रास का यक्ष-प्रश्न-मानव – डॉ. रामजी सिंह------------------------------- ५५
आधुनिक युग और धर्म – डॉ. ह्वी एन. सिंहा --- ६१
धार्मिक परिप्रेक्ष्य में आज का श्रावक – डॉ. सुभाष कोठारी ----------------------------------- ६७
जैन साधु और बीसवीं सदी – डॉ. डी. के. जैन --- ७१
विदेशों में धार्मिक आस्था – डॉ. महेन्द्र राजा जैन --- ८८
जैन विद्याओं के कतिपय उपाधि-निरपेक्ष शोधकर्ता - संकलित --------------------------------- ९१
आगम-तुल्य ग्रंथों की प्रामाणिकता का मूल्यांकन – डॉ. एन. एल. जैन ----------------------- ९५
सपादशतकद्वय परमात्मस्तोत्र – पं. माणिकचंद्र चवरे --------------------------------------- १०७
खंड-३ – ध्यान और त्याग
ध्यान का शास्त्रीय अध्ययन – एन. एल जैन ---११३
ध्यान का वैज्ञानिक विवेचन – डॉ. ए. कुमार -- १२९
प्रेक्षा मेडीटेशन, परसेप्शन आफ साइकिक सेन्टर्स – मुनि श्री महेन्द्र कुमार ------------------ १४१
लेश्या ध्यान – युवाचार्य महाप्रज्ञ --- १४८
लेश्या द्वारा व्यक्तित्व रूपांतरण – मुमुक्षु शांता जैन --------------------------------------- १५५
बच्चों के लिये ध्यान योग का शिक्षण – स्वामी शंकर देवानंद सरस्वती --------------------- १६७
सुख शांति की प्राप्ति का उपाय-सहज राजयोग – ब्रह्माकुमारी सुनिताजी ---------------------- १७०
पूर्ण स्वास्थ्य के लिये योगाभ्यास – स्वामी निरंजनानंद सरस्वती --------------------------- १७५
आचार्य हरिभद्र की आठ योग दृष्टियाँ – सतीश मुनि --------------------------------------- १७९
साइंटिफिक स्टडीज इन योग – डॉ. एम. एल. घारोटे -------------------------------------- १८३
णमोकार मंत्र और मनोविज्ञान – डॉ. नेमिचंद शास्त्री --------------------------------------- १९२
जैन शास्त्रों में मंत्रवाद – प्रकाश चंद्र सिंघाई -- १९७
मंत्रयोग और उसकी सर्वतोभद्र साधना – डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ----------------------------------२११
खंड-४ – जैन विद्याओं में वैज्ञानिक तथ्य-समीक्षण
ज्ञान प्राप्ति की आगमिक एवं आधुनिक विधियों का तुलनात्मक समीक्षण – डॉ. एन. एल. जैन --- २१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जैन शास्त्रों में वैज्ञानिक संकेत – पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री ---------------------------------- २२८
वर्ण-पदार्थ का एक अभिन्न गुण – डॉ. अनिलकुमार जैन ----------------------------------- २३४
जैन थ्योरी आव स्कंधाज ऑर मोलीक्यूल्स – एन. एल. जैन ------------------------------- २३८
जीव विचार प्रकरण और गोम्मटसार जीव कांड – कु. अंबर जैन ---------------------------- २५३
जैन शास्त्रों में आहार विज्ञान – एन. एल. जैन -- २६७
शाकाहारी आहारों से ऊर्जा – डॉ. मधु ए. जैन -- २७९
जैन सिद्धान्तों के संदर्भ में वर्तमान आहार विहार – डॉ. राजकुमार जैन ----------------------- २८४
समिलरिटीज वीटवीन जैन एस्ट्रोनोमी एंड वेदांग ज्योतिष – डॉ. एस. एस. लिश्क ------------ २९४
जैनाचार्य नागार्जुन – प्रो. एम. एम. जोशी -- २९८
कवि हस्तुरिच और उनकी वैद्यक कृतियाँ – डॉ. आर. पी. भटनागर --------------------------- ३०१
रोगोपचार में गृह शांति एवं धार्मिक उपायों का योगदान – डॉ. जी.सी. जैन------------------ ३०५
दार्शनिक गणितज्ञ आचार्य यतिवृषभ की कुछ गणितीय निरूपणायें – प्रो. अनुपम जैन ------- ३१०
खंड-५ – इतिहास एवं पुरातत्त्व
मिथिला और जैन मत – प्रो. उपेन्द्र ठाकुर -- ३१७
जिन मूर्ति लेख विश्लेषण-तीर्थंकर मान्यता एवं भट्टारक परंपरा – एन. एल. जैन ------------ ३२४
जैन संस्कृति प्रतिष्ठापक-आचार्य कुंदकुंद व्रात्य थे – गोरावाला खुशालचन्द्र -------------------- ३३३
जैनों का सामाजिक इतिहास – डॉ. विलास ए. संघवे -------------------------------------- ३३५
रीवा के कटरा जैन मंदिर की मूर्तियों पर प्रशस्तियाँ – पुष्पेन्द्र कुमार जैन -------------------- ३४३
बीसवीं सदी की एक जैनेतर जैन विभूति-कुं. दिग्विजीय सिंह – डॉ. के. एल. जैन ----------- ३४६
पौरपाट (परवार) अन्वय-१ – पं. फूलचन्द्र शास्त्री -- ३५१
सिद्धक्षेत्र कुंडलगिरि – पं. फूलचन्द्र शास्त्री --- ३६७
श्रीधर स्वामी की निर्वाण भूमि-कुंडलपुर – पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री ------------------------ ३७५
दिगंबर जैन परवार समाज, जबलपुर-संस्कार धानी के लिये अवदान – सिंघई नेमिचन्द्र जैन -- ३८०
शडहोल जिले के प्राचीन जैन कला और स्थापत्य – डॉ. राजेन्द्रकुमार बंसल ----------------- ३८३
खंड-६ – साहित्य
कामन टर्मिनोलोजी इन अर्ली बुद्धिस्ट एंड जैन टैक्स्ट्स – के. आर. नामंत ------------------ ३९३
कनकसेन का स्वतंत्र वचनामृत – डॉ. पी. एस.जैनी --------------------------------------- ३९८
प्राचीन प्रश्न व्याकरण-वर्तमान ऋषिभाषित और उत्तराध्ययन – डॉ. सागरमल जैन ------------ ४०४
जैन मिथख तथा उनके आदि स्रोत-भगवान रिषभ – डॉ. हरीन्द्र भूषण जैन ------------------ ४१५
अजैन नाटककारों के हिन्दी नाटकों में जैन समाज दर्शन की अवधारणा – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे -- ४२१
ऐरावत छवि – कुंदनलाल जैन --- ४२३
अपभ्रंश के खंड और मुक्तक काव्यों की विशेषतायें – डॉ. आदित्य प्रचण्डिया ---------------- ४२७
जैन कवियों द्वारा रचित हिन्दी काव्य में प्रतीक योजना – डॉ. महेन्द्र प्रचण्डिया -------------- ४३१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अर्ध कथानक-पुनर्विलोकन – डॉ. कैलाश तिवारी -- ४३८
कातंत्र व्याकरण – डॉ. भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी --- ४४३
कुवलयमाला कथा के आधार पर गोल्लादेश व गोल्लाचार्य की पहिचान – डॉ. यशवन्त मलैया --- ४४७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org